

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

	Excellent	Good	Average	Unsatisfied
Introduction		✓		
Conceptual Understanding		✓		
Contextual Clarity		✓		
Content Enrichment		✓		
Presentation		✓		
Alignment		✓		
Contextual Justification		✓		

Reyasat Ali
05/09/2022

Dear Mohan Mangawa

- *Your effort and improvements are much better and improved than last Ethics Mock Test.
- * You have improved in both Theory and Case Studies.

1. Introduction is ok in both theory and Case.

2. Body Part:-

A) Content is up to the mark though examples are lacking try to include more examples in your answer.

B) Presentation is fine, Maintain this flow in main exam.

C) structure is up to the mark

D) In case studies after introduction try to write the Ethical issues involve in case in short,

E) In case Studies you have done tremendous improvement that last mock, you have worked properly on the feedback, keep this tempo in Main Exam also

3. conclusion can be better try to conclude on 2nd arc recommendation or contextually ethical suggestive orientation

*always give example relevant to civil services only

*All the best, keep this Pace in Main Exam also, you are in much better position for this year CSE Exam.

All The Best

Thanks,
Reyasat Ali

55/125

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q1(a). There is a need of higher degree of accountability and transparency in administrative behaviour. Discuss the relevance of code of conduct in civil services in maintaining accountability and transparency in administrative behavior. 150 words

आयुक्त संहिता से तात्परि सिद्ध
संगठन तथा उसके कर्मियों द्वारा कर्तव्य
पालना में सिद्ध होने वाला व्यवहार
है।

आयुक्त संहिता की प्रासंगिकता

- ↳ कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने में
- ↳ कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय
स्थापना
- ↳ नवनिर्वाही को लैंगिक संवेदनशीलता हेतु
आवश्यकता
- ↳ संगठन के निर्णयों के प्रति अनुशासन को
कर्तव्यपालना
- ↳ शासन को लोकानुसृत बनाने हेतु आवश्यक

good introduction mention it to be because of high value attached to public service and to bring accountability and transparency

reducing corruption

a public servant is a face of government and hence should work accordingly

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

द्वन्द्व संज्ञा

जवाबदेहिता

- ↳ जनता का शासन
- ↳ संवैधानिक मूल्य रक्षण
- ↳ सेवा प्रधानता में गति द्या. सिद्धि के लिए
- ↳ जनता के प्रति उत्तरदायित्व द्या. RTI

पारदर्शिता

- ↳ सुलाभ व कार्यस्थल पर सकारात्मकता
- ↳ प्रशासनिक कार्यक्षमता में गतिशीलता
- ↳ शासन में कथन्या को रोकना
- ↳ द्या. ई-गवर्नेंस, सेवोत्तम, CPGRAMS

यस प्रकार प्रशासन में जनशासन स्थापना हेतु जवाबदेहिता व पारदर्शिता दो आधारित तत्व हैं।

very good attempt good answer
4.0/10

accountable to people as well as political executives

good point

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q1(b). Organizational dilemma is all about how to reconcile inconsistency between individual needs and aspirations on the one hand, and the collective purpose of the Organisation on the other. How organizational dilemmas are counterproductive for organization? Discuss words

सांगठनिक स्तर से तात्पर्य स्वयं
व संगठन के कार्य दिये के बीच
टकराव से है, जहाँ दो नैतिक मूल्यों
के बीच निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

good introduction

सांगठनिक स्तर में नैतिक मुद्दे

- व्यक्तिगत हित बनाम सांख्यिक हित
- नियमों का अक्षयशीलता (ग्रे क्षेत्र)
- दो नैतिक निर्णय टकराव
आज प्रशासन में रहते हुए भूखे गरीब
परिवार को बिना राशन नष्ट के स्वस्थ
रखना उपलब्ध
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में सद्यः कमाने वाली
देश के देश के हित
भारत द्वारा नेपाल संघ में कदम

example
discretionary
power of the
civil servants

good
points

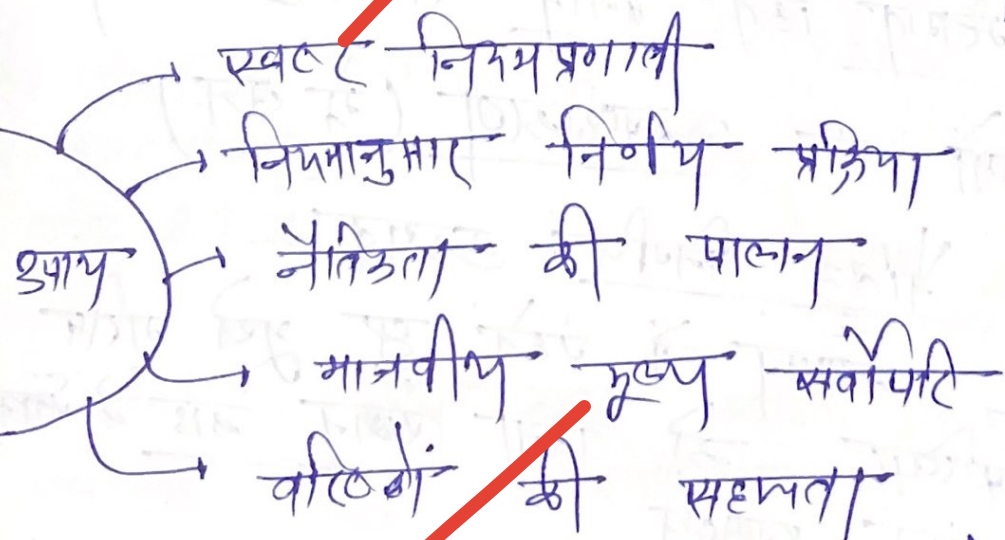
IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

सांगठनिक गैर उत्पादक काम

- ↳ अव्ययता को बढ़ावा
- ↳ कार्य-संस्थिति को दृष्टि करना
- ↳ गुणवत्तापूर्ण सेवा की व्यापक काम-
चलाऊ कार्य
- ↳ जन-विश्वास को कम करना
- ↳ पारदर्शिता - जवाबदेहिता में कमी

redtapism



निकलने हेतु सांगठनिक नेटवर्क समान व
स्मरणा अपेक्षाएँ हैं।

more emphasis on means than end
open bureaucracy instead of tent bureaucracy

incorporate more example's good structure and presentation
3.0/10

IAS Mentorship

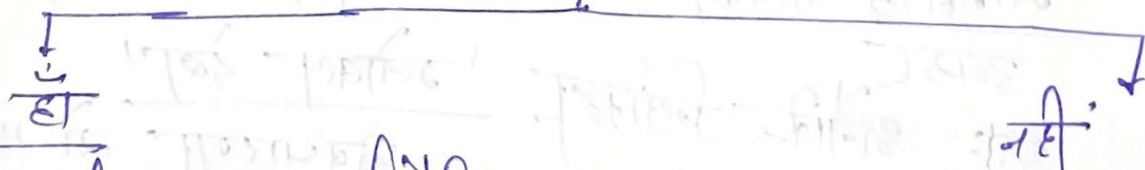
By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q2(a). Many reject that there is hardly any ethics in international relations as there is continuous conflict between human values which a human is obliged to follow and a state which is obliged to protect territorial sovereignty of the country such as national interest. Do you agree? Discuss how this ethical dilemma can be addressed. 150 words

~~कांतराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता का प्रश्न नया नहीं है तथा ये नैतिकता कितनी सीमा तक हो, यह भी चर्चा का विषय रहता है।~~

there are no permanent friends or enemy in international relations

ज्यादा कांतराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता अपेक्षित है।



- मानवीय मूल्य सावधानीपूर्वक होते हैं।
- देशगत क्षमता व मान्यताओं के अनुसार कार्य करना है।
- पर्यावरण व स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए।
- नए तकनीकी मुद्दों से निपटने में छोटे-गरीब देशों के लिए आवश्यक।

example of global issues like terrorism drug trafficking issue of money laundering

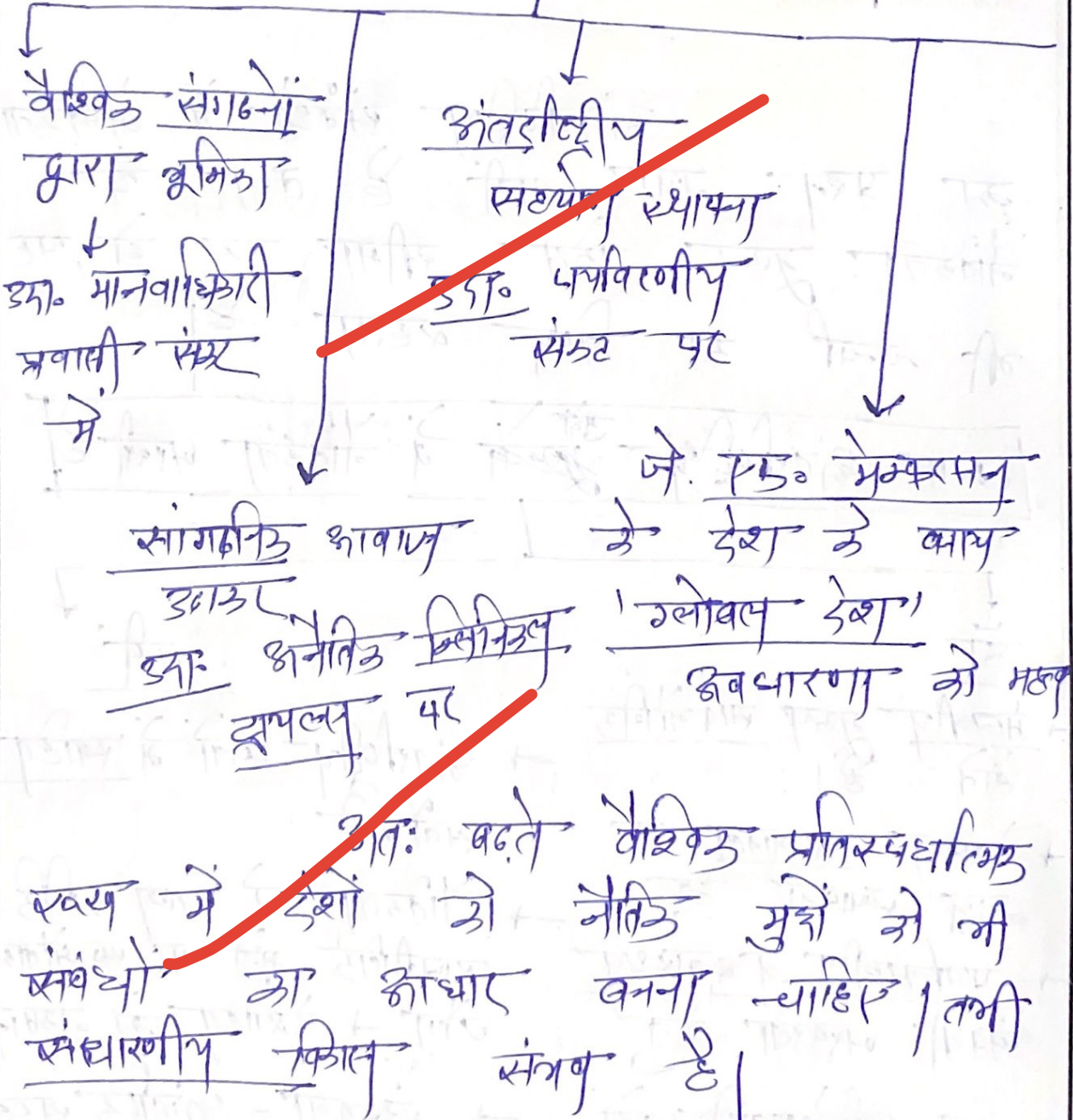
- कांतराष्ट्रीय हितों में स्वार्थी स्वयंपरि।
- नैतिकता के कारण अधिक राजनीतिक मुद्दों पर समझौताकारी रवैया न देना देशहित को नुकसान।
- संप्रभुता - आंतराष्ट्रीय सुरक्षा पर संकट।
- उदा: रोहिंग्या मामला

a nation as a state is expected to protect its citizens

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

उपाय - सुधार हेतु



WTO IMF have to work around the clock

Indian philosophy of Vasudhaiv kutumbkam also peace full coexistence

good answer good presentation 3.5/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q2(b). Salary/remuneration is for fulfilling needs but when it becomes greed then crony capitalism is born. In the light of this statement, discuss the applicability of distributive justice as corporate governance practice in India. 150 words

labh

अनुसार कोर्पोरेट शासन में नैतिकता तभी तब होती है जब प्रॉफिट है लाभ या हानि रहे क्रेनी प्रॉफिट में बढ़ते हैं।

good introduction

कारणमूलक न्याय - कोर्पोरेट सुशासन

↳

कायदे

(A) कोर्पोरेट सेक्टर को

↳ साथ में वृद्धि

↳ शेयरहोल्डर्स का क्लियर वक्ता

↳ कार्य संस्कृति में पारदर्शिता

↳ तकनीकी व विशेषता के वर जायाओं का खुलना।

first mention the issue in corporate governance

lobbying

IPR issues and other problems

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

(B) सरकार को

↳ उद्योग विनियमन में छूट

↳ उत्तर-प्राप्ति बढ़ें → जनसंख्यिकी घायल ↓

↳ सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बढ़ावा → भवन संस्कार
मजबूती

(C) समाज को

↳ गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ोती →
सार्वजनिक व्यय

↳ संकटवशील वर्गों की सुग्रेसता अभी

↳ जनसंख्यिकीय वृद्धि से लाभानु की को
परिवर्तन ।

एक प्रकार को परिदृश्य में नेतिक
द्वारा वितरणमुक्त व्यय स्थापना के लाभ
कहुकायायी संके दीर्घकालिक होंगे

must
strengthen
CSR

good point

very good answer very good
structure and presentation as well
4.5/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q3(a). Do you agree that with applications of RTI, Citizen 's Charter, e-governance and active role of 5Cs (CBI, CVC, CAG, CIC & Courts), probity has increased in public life? Explain with reasons and examples 150 words

शुचिता एक स्थायी सत्पनिका है। एच. वी. पैम्स की शब्दों में शुचिता तब भी कार्य करती है जब आपसे बेरी देय रहा नहीं होता है।

म्या पारदर्शिता = भवाकोटिला ने शुचिता बढ़ाई है

good introduction

हैं

↳ RTI, CC जैसे माइनों ने प्रशासन को अनो-मुय बनाया

↳ गुणवत्तापूर्ण सेवा स्थापना ने अष्टपार को कम किया।

↳ सार्वजनिक दिव साधना सर्वोपरि हुई

↳ CBI, CVC के डर से शासन में सकारात्मक कार्य-संस्कृति को बढ़ावा

and cag also

bringing about transparent in the bureaucracy

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

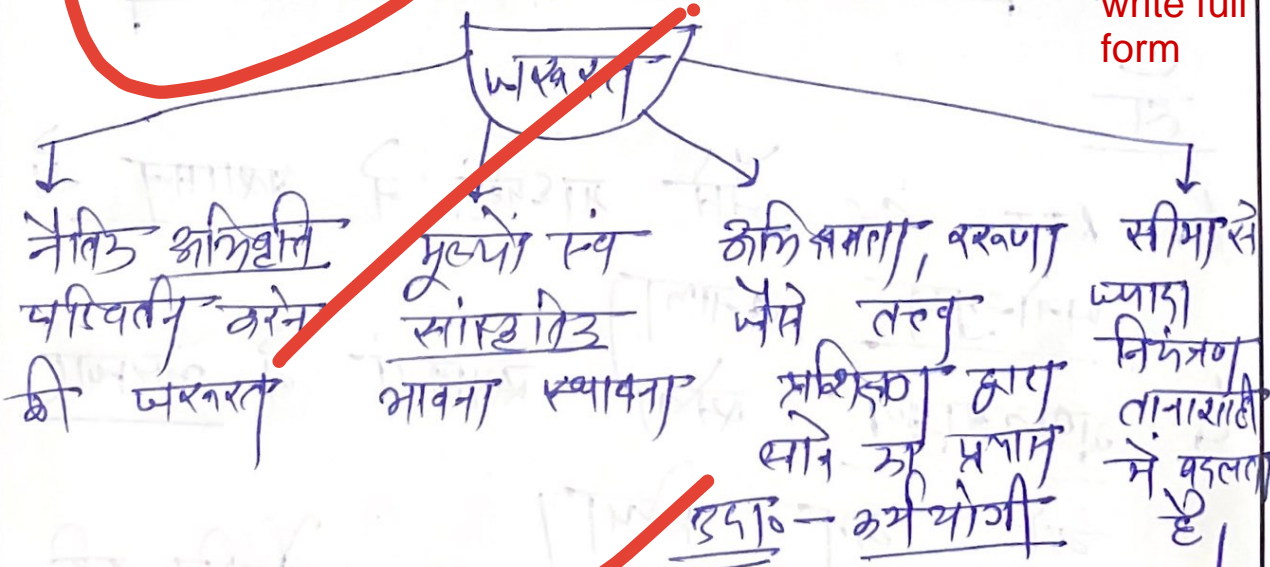
नहीं

↳ शुद्धि जैसे मुख्य आंतरिक हैं, यह दबाव में केवल चिपार जा सकते हैं।

↳ केवल भौतिक परिवर्तन का माध्यम, मानसिक व नैतिक स्त्रीय नैतिकता कलाव

↳ SCC ने प्रशासनिक आंतरिक को बढ़ाया, नवान्धार, अनुभव कार्य आबना इकी

write full form



कतः प्रशासनिक शुद्धि में नैतिक परिवर्तन ही स्थायी होगा तथा यह हर परिस्थिति में रेमानदारी से कार्य होगा।

also, there is a general lack of probity among the civil servants

mention properly 2nd arc recommendation in the conclusion

also Nolan committee has not been mentioned please mention that also

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q3(b). When a breakdown of law and order and extreme social dislocation occur, the moral fabric of a society can be torn apart. When survival becomes the paramount value, corruption can become a way of life. Do you agree? Elaborate your view with proper justification. 150 words

द्वितीय - प्रशासनिक का प्रयोग (शुभARC)
के अनुसार भ्रष्टाचार का अर्थ है - अकेले
सांख्यिकीय प्राधिकार का प्रयोग किसी भी
सबे हृत्प में उसका अधवा संलग्न घेना,
जिसे करने को प्राधिकृत ना हो।

good
introduction

भ्रष्टाचार - सामाजिक दूतन

हैं। कर्म-व्यवस्था के लुप्त-होना का
कारण → भ्रष्टाचार ही है।

नेतिकता पर जीवन किसी भी हाल में
जीने को चरीपता → भ्रष्टाचार ही जगती
उदा. कर्मक्षेत्र में अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार
को अर्थ-संस्कृति का हिता माना

also
corruption
is not
socially
stigmatized
in India

निगरानी तंत्र की कमी जवाबदेहिता न
होने पर भ्रष्टाचार को बढ़ने का मौका।
इस स्थानीय क्षेत्र पर भ्रष्टाचार अधिकता का
कारण CCTV, सिस्टिम चालू न होना।

IAS Mentorship

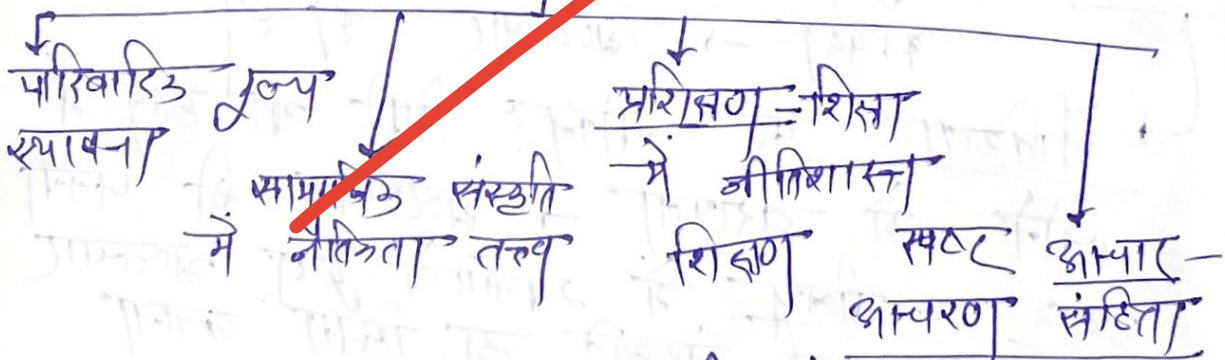
By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

नहीं। केवल सामाजिक दृष्टि में ही व्यक्ति का ब्रह्मचार बनना मुश्किल

जीवित रहने हेतु यदि नैतिक रास्ता अपनाया जाता है तो ब्रह्मचार कम नहीं (अयोगितावली सिद्धान्त)

नैतिक मूल्य धारणा, युक्त व्यक्ति कि भी परिस्थिति में ईमानदार व सत्यनिष्ठ ही रहता है।

आवश्यकता



अतः ब्रह्मचारी होने हेतु परिस्थिति नहीं बल्कि परिवेश द्वारा उत्पन्न आंतरिक अनैतिक कारक ज्यादा जिम्मेदार होते हैं।

love salary
red tapism
discretionary
power
non
implementation
of
anti-corruption
act
gives rise to

Good attempt &
good structure
4.0/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q3 (c). What is the following quotation mean to you?

"Morality is not properly the doctrine of how we may make ourselves happy, but how we may make ourselves worthy of happiness." - Immanuel Kant.

॥ अपने काम को खोजने अ सवसे
शुचि रास्ता है, स्वयं को दूसरों की
सेवा में खो देना ॥

इसका अर्थ गांधीजी द्वारा
दूसरों की खुशी व सेवा में स्वयं
जीवन समर्पण पर बल देता है। यही
वाक्य कांट द्वारा 'परहित - सुख - साधना'
हेतु नैतिकता पुस्तक अव्ययपालना सिद्धान्त
के सन्दर्भ में कही गरी है।

इसके अर्थ

- 1. आंतरिक सुख प्राप्त करने का
इसका अर्थ आत्मदीनो वचः (बुद्ध)
- 2. मानवीय मूल्यों का आधार
इसका अर्थ अर्थव्यवस्था मा कर्मणु अर्थव्यवस्था (गीता)

Relevant quote

mention Gandhiji talisman which is the most important document for trustee ship

very good

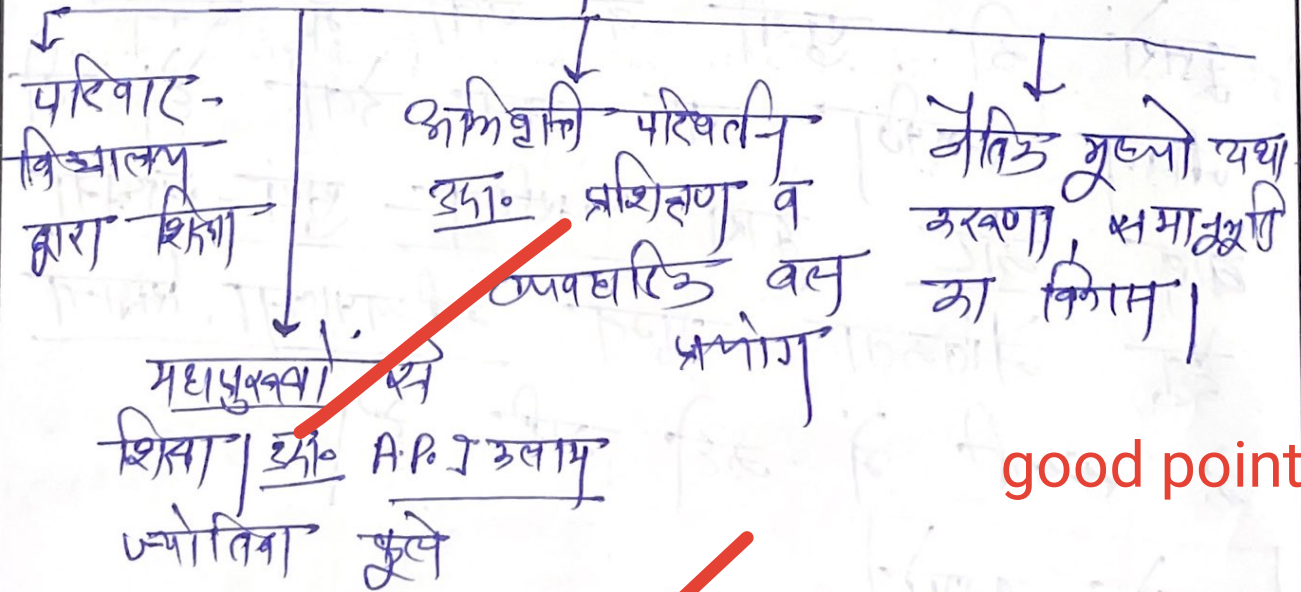
IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

- ↳ भारतीय संवैधानिक मूल्य प्राप्तिके (DPSP)
- ↳ गरीब, संवेदनशील वर्गों के प्रति करुणा
- ↳ एड स्वस्थ समाज का विकास
- ↳ पर्यावरणीय व दायते नैतिक मूल्यों का हल

empathy and compassion towards vulnerable section of society

प्राप्तिके मार्ग



good points

कतः दूसरों के लिए जीवनासक्ति को मजबूत करने के रास्ते पर ले जाया है। जो कि परम मानवीय लक्ष्य भी है।

example of Mother Teresa be given also Nelson Mandela can be mentioned
3.5/10

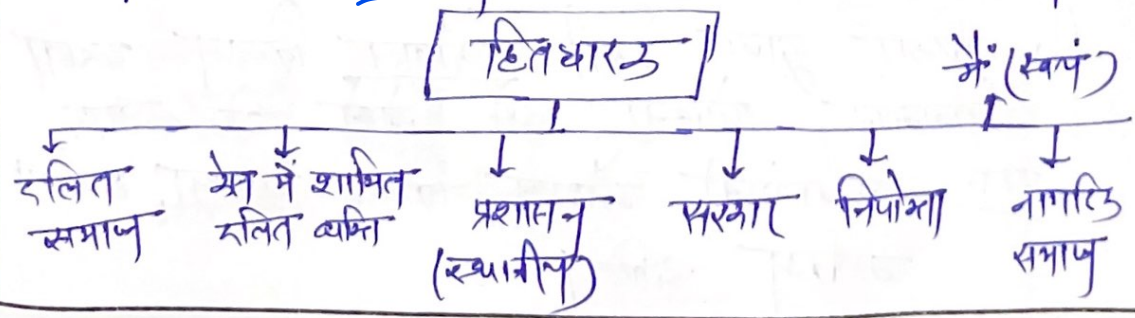
IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q4. Suppose you are the social welfare development officer in a district. You have got information that in your district manual scavenging practices are continue to practice and three scavengers have died few days back during cleaning sewerage. In inquiry you have found following observations. i) People from a particular community (Manual scavenging is rooted in India's historical system of hierarchy and exclusion: The caste system. As per recent data by the government, out of 43,797 identified manual scavengers, 42,000 belong to the Scheduled Castes (SC) or Dalits) are into this practice. ii) In inquiry they told to media persons that they have been practicing it for ages and it has been their traditional occupation. iii) Some other argue that since they don't have any other source of regular livelihood, therefore they don't have any alternative. iv) They others said they don't know about government scheme like The Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013. v) some of them told that they don't know that manual scavenging is illegal as per the above law and majority of them are still willing to work in same work due to their attitude. You also know the various reasons behind it and also despite several government initiatives the cases of manual scavenging could not be stopped. Also While distributing the Swachh Survekshan Awards in November by the Ministry of Housing and Urban Affairs, Former President Ram Nath Kovind called manual scavenging a shameful practice, eradication of which is not only the responsibility of the government but also of the society.

- a) As a social welfare development officer of the district, discuss your strategies to tackle the issues of manual scavenging and livelihood of the people.
- b) What steps you would take to bring attitudinal changes in the community and rehabilitate them properly? (250W - 20 M)

इस प्रकार से मेला होने वाली प्रथा में लगे पिछड़ी जाति के दलित लोगों पर है, जो इस कामकी प्रथा में कामगार व वैकल्पिक रोजगार काम में संलग्नता हेतु मजबूर हैं।



even after enactment of law practice is prevalent in many society



IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 | Telegram WhatsApp Call

① समस्या निधान हेतु शोधीति

- सर्वप्रथम नियमों के तहत वेस की जाँच करना → हितधारकों की पहचान व पुष्टता
- पीछे दलित व्यक्तियों हेतु तात्कालिक प्रबंध
 - ↳ सूत दलित व्यक्तियों को मुद्दापना हेतु सरकार को सिखाइए
 - ↳ मैला देना (प्रतिबंध) कानून 2016 के तहत पुनर्वासि कार्य
 - ↳ इसमें स्वास्थ्य जाँच एवं देखभाल
- निपटाराओं के खिलाफ अपवाही रूढ़ि
- मीडिया व गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर जागरूकता कार्य

कृषीविका हेतु

- ↳ सरकार द्वारा असी कौशल विकास अधवा योजना योजना से मौज की सहाय
- इसके प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मनरेगा कार्यक्रम को।

Relevant

good point

Relevant point. also can involve community leaders

good, Relevant Step

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

⑥ सामुदायिक स्तर पर परिवर्तन हेतु

1) दलित व्यक्तियों को अनुरोध व आमंत्रण के माध्यम से वोट में भागवत्

✓ यह कार्य स्थानीय MP/MLA, सांसद के माध्यम से लोगों द्वारा हो सकता है।

2) स्कूल-कॉलेज स्तर पर बुद्धि माला व भागवत् हेतु → अध्यापकों से

✓ मदद → जोड़ें स्थानीय स्तर पर अभी मदद मांगें।

3) विशेष मीटिंग, समाचार पत्र एजेंसी इत्यादि को जोड़ें स्थानीय घटनाएं कवर करनी हैं, जो द्वारा घटना कवरेज → निष्ठा व भागवत् हेतु कार्य

4) सरकार द्वारा चलाई जा रही NAMASTE योजना को जोड़ें गैला देने में मशीनों का प्रयोग करनी है → इस हेतु लोगों को भागवत् करना।

media and local news channels can be effectively engaged

good point school will be the most effective point of contact

Good point, this point should be mentioned earlier

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

5) इस विस्तृत रिपोर्ट के बाद विषय में उच्च
मांस के कानों की सलाह भी होगी,
को विशेष व सरकारी तब भेजने
का प्रयास।

इस प्रकार मृत व्यक्तियों को
मुखावना, अन्य समितियों को रोजगार-कौशल
अपवध एवं जागरूकता के साथ प्रेरणा
दोने हेतु वैकल्पिक मार्ग सुझाव में
इस समस्या से निपटने का प्रयास
करेंगे।

ethical issues like right to work vs untouchability
etc have not been mentioned

always mention facts of the case
ethical dilemmas and issues in your answer

overall good attempt 9.5/20

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

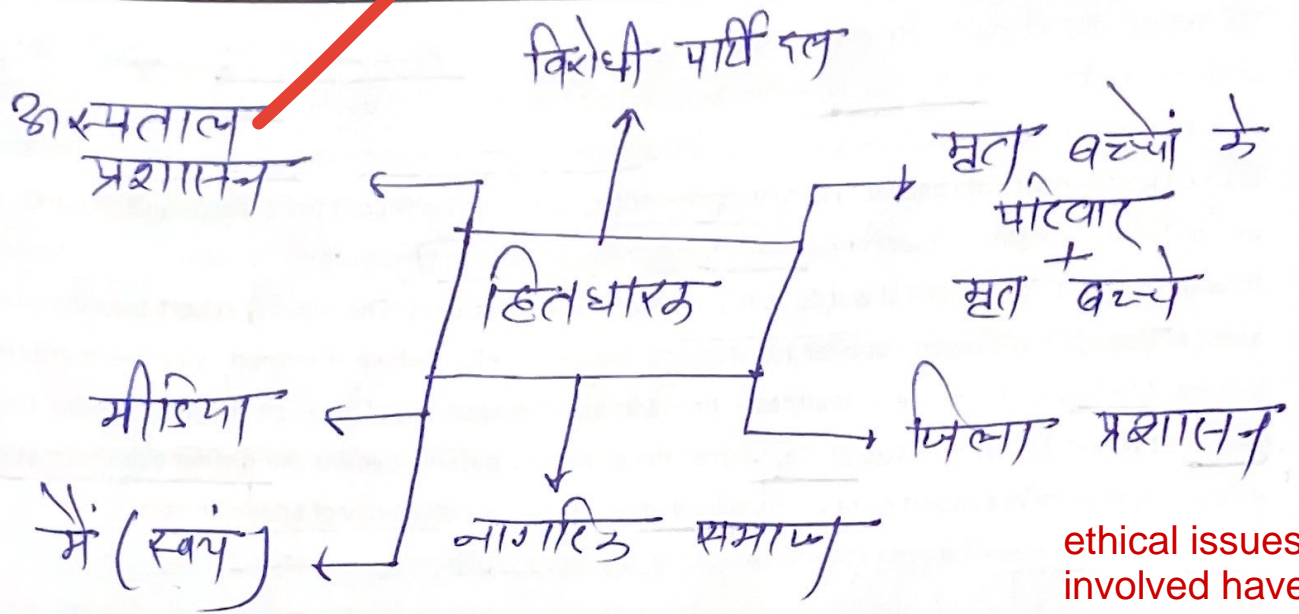
Q5. You are district magistrate and a tragic incident took place at a government health care center in your district in which nearly 100 infants, suffering from acute disease, died due to oxygen deprivation in last 24 hours. Preliminary enquiry by you revealed that hospital administration and oxygen supplier are to be blamed for the death of children. There was overwriting in the log book containing the details of purchase and re-filling of oxygen cylinders and head of anesthesia department responsible for ensuring continuous flow of oxygen to the hospital wards, was absent during the incident. The enquiry report also demands strict action against oxygen supplier for stopping oxygen supply – which it termed as an –emergency service. Media reports suspect healthcare firm and liquid oxygen supplier of an oxygen cylinder theft racket at hospital. There is huge protest across the district by parents against the district administration and also questions are raised by opposition leaders and media on efficiency of administration.

- As a DM what would be your immediate course of action in such tensed situation?
- Do you think action of supplier to discontinue oxygen supply to infants was ethical, despite non-payment of dues?
- Will you take any action against the responsible functionaries for negligence?
- What long term measures you will take to avoid such incidents in future. 250 words

समस्या विश्लेषण

इसके साथ ही अपनी जावसापड
कठिणपालना से जानबूझकर के कारण
निर्दोषों की जान बली जाने पर
आधारित है। यह घटना देश में कभी
ना कभी होती ही रहती है - जैसे
राजस्थान के कोटा में कोरोना के
दौरान अस्पताल की घटना।

good
introduction



nation as well as society

ethical issues involved have to be mentioned

(A) मेरी तलाबीन कार्यवाही

- बधारीय मीडि पर पंडुकर समस्या समझने व लोगों को ब्याप्त करने का प्रयास।
- पुलिस व जॉन्स दल को कार्यवाही करने का आदेश
- धरना-आंदोलन कर रहे लोगों को समझाने व उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाना
- अस्पताल प्रशासन प्रमुख के साथ वी एचएनएस विभाग हेड व अन्य संविधों की श्रुति जॉन्स

can form a committee for the same

→ ऑम्बीजन सप्लाय व हेल्पकेयर कर्म के बीच चल रहे बैकट का सुलझा हेतु गोपनीय टीम का गठन

(B) नेतिकता परीक्षण

→ व्यावसायिक व नितिकता नेतिकता के अनुसार यह पूर्णांक कस्वीमर्प है कि स्वहित हेतु मित्री की जान ले ली जाये।

→ इस हेतु संबंधित कर्म को हस्पताल प्रशासन से बत कर समस्या हल का प्रयास करना चाहिए, ना छि कच्यों की मिंदगी से खिलवाड़।

(C) जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही

→ मैत्री टीम का प्रभावी जांच के बाद जो व्यक्ति भी इस उद्वेग में सम्मिलित होंगे उनके खिलाफ कानून के दायरे में रहते हुए पक्षाशीघ्र व प्रभावी कार्यवाही करना।

Appropriate steps ✓

① दीर्घकालित इयाप

→ ऐसी हालातों से बचने हेतु अस्पताल प्रशासन को एड पारदर्शी व जवाबदेही प्रक्रिया को अपनाना चाहिए।

↳ विशेष व प्रशिक्षित टीम बनाना

↳ एड काउंटर चेक इव तर्जि सभप समय पर जाँच।

→ सरकार - प्रशासन के स्तर पर सरल कानून

एवं अस्पतालों व सप्लायर को बन हेतु जिम्मेदार बनाना।

→ सभप-सभप पर अस्पतालों के बन अभरजेंसी स्थलों की जाँच की प्रक्रिया को प्रभावी बनायेगी।

अतः सभप रूप से सभी लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए भूमिका निर्वहन करना होगा तर्जि ग्रामों की जान इतनी सस्ती ना हो जाये कि इव की लापरवाही से चली जाये।

very good attempt good answer.

*After intro try to write Ethical issues involve in the case
10.50/20